

विशाल चुनरी यात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: नवरात्रि के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इंदौर में बड़ा गणपति मंदिर से शुरू हुई विशाल चुनरी यात्रा में शामिल हुए। यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए एरोड्रम क्षेत्र स्थित बिजासन माता मंदिर पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।

डॉ. यादव ने कहा कि नवरात्रि का पर्व समाज में एकता और सद्भाव का संदेश देता है। मां दुर्गा की आराधना से जीवन में शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चुनरी यात्रा विभिन्न वर्गों, जातियों और पंथों के लोगों



को एक साथ आने का अवसर देती है। मां के दरबार में सभी समान हैं और यहां ऊंच-नीच, अमीर-गरीब या जाति-पंथ का कोई भेद नहीं होता। ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और एकता को मजबूत करते हैं। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और महिलाओं ने भाग लिया। पूरे मार्ग में माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

शिवराज का विपक्ष पर तंज, बोले-

कल बताऊंगा ‘रिजीम चेंज गैंग’ की दाल क्यों नहीं गल रही

► जनादेश के सामने सत्ता परिवर्तन के सपने साबुन के बुलबुले की तरह फूटें

► केंद्रीय मंत्री ने किया आत्ममंथन का आह्वान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सत्ता परिवर्तन की बहस के बीच कांग्रेस और विपक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ‘रिजीम चेंज गैंग’ का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि यह समूह सत्ता परिवर्तन के सपने देखता है, षड्यंत्र रचता है, झूठ फैलाता है और नैरेटिव गढ़ता है।

शिवराज ने कहा कि जनता के जनादेश के सामने इनके सपने साबुन के बुलबुले की तरह फूट जाते हैं। शिवराज की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब देश में सत्ता परिवर्तन को लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने चुनाव के जरिए सरकार बदलने की बात कही थी, जबकि वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने भी सत्ता परिवर्तन की लड़ाई का उल्लेख किया था। शिवराज ने अपनी पोस्ट में किसी नेता का नाम नहीं लिया, बल्कि ‘रिजीम चेंज गैंग’ कहकर विपक्ष पर निशाना साधा।

जनादेश के सामने सत्ता परिवर्तन के सपने साबुन के बुलबुले की तरह फूटें

केंद्रीय मंत्री ने किया आत्ममंथन का आह्वान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: केंद्रीय मंत्री ने अपनी पोस्ट में पंजाब विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और ओडिशा के 13 विश्वविद्यालयों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जीत का उल्लेख किया। इसके साथ ही गुजरात के निकाय चुनावों और असम, पश्चिम बंगाल तथा पुडुचेरी के उपचुनावों के नतीजों को भी जनता के मूड का संकेत बताया।

जनता का मूड कुछ और, रिफ्ट कुछ और

शिवराज ने लिखा कि गांव हो या शहर, युवा हों या आम नागरिक, जनता का मूड कुछ और है, जबकि ‘रिजीम चेंज गैंग’ की स्क्रिप्ट कुछ और है। उन्होंने सवाल उठाया कि हर हार के बाद भी इन लोगों की भारत में दाल क्यों नहीं गल रही।

पोस्ट के अंत में शिवराज ने इस समूह को आत्ममंथन करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अगर इसके बाद भी समझ नहीं आए, तो वे अगले दिन बताएं कि उनकी दाल क्यों नहीं गल रही।

शिक्षक पात्रता परीक्षा की तैयारी तेज 34,200 शिक्षकों ने किया आवेदन

- जिला और संभागवार सूची से तय होंगे परीक्षा केंद्र
- शहरी और ग्रामीण शिक्षकों का ब्यौरा होगा अलग

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्य प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब आवेदकों की सूची तैयार करने की तैयारी है। माध्यमिक शिक्षा मंडल को कर्मचारी चयन मंडल से आवेदन करने वाले शिक्षकों की सूची मिलने का इंतजार है। इसके बाद जिला, संभाग और पदस्थापना क्षेत्र के आधार पर शिक्षकों की संख्या का आकलन किया जाएगा। इसी के आधार पर परीक्षा केंद्रों की संख्या और स्थान तय किए जाएंगे।

करीब डेढ़ लाख संभावित शिक्षकों में से केवल 34,200 ने परीक्षा के लिए आवेदन किया है। दो बार आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ाने के बावजूद संख्या में खास बढ़ोतरी नहीं हुई। आवेदकों में लगभग 20 हजार सरकारी और 14 हजार निजी स्कूलों के शिक्षक बताए जा रहे हैं। आवेदन की अंतिम तारीख 11 अक्टूबर थी।

दशहरे के बाद होगी बैठक

आवेदकों की सूची मिलने पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ शिक्षकों का ब्यौरा

अलग-अलग तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही जिला और संभागवार संख्या के आधार पर परीक्षा केंद्रों की जरूरत का आकलन होगा। परीक्षा की तारीख और केंद्र निर्धारित करने के लिए दशहरे के बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव बुद्धेश वैद्य, लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह सहित संबंधित अधिकारियों की बैठक प्रस्तावित है।

32 हजार से अधिक पदों पर पदोन्नति का इंतजार

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग के 32 हजार से अधिक पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया शिक्षक पात्रता परीक्षा के इंतजार में है। परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सरकारी शिक्षकों को रिक्त पदों की उपलब्धता के आधार पर पदोन्नति मिलने की संभावना है। जनवरी में परिणाम आने की स्थिति में प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। इधर, अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा परीक्षा नहीं कराने की मांग पर कायम है। संगठन 22 दिसंबर तक आंदोलन स्थगित कर चुका है। उसकी मांग है कि विधानसभा में संकल्प पारित कर केंद्र सरकार को कानून में बदलाव का प्रस्ताव भेजा जाए। राज्य सरकार ने अब तक इस मांग को मंजूरी नहीं दी है।

‘वंदे मातरम्’ से सशक्त होगी युवा शक्ति 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य होगा साकार: परमार



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि ‘वंदे मातरम्’ राष्ट्रप्रेम, त्याग, समर्पण, स्वाभिमान और राष्ट्रीय एकता की प्रेरणा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा से परिपूर्ण युवा देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

वे रविवार को भोपाल स्थित भारतीय वन प्रबंधन संस्थान में मेरा युवा भारत के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय

‘वंदे मातरम्’ शिविर के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने छह राज्यों से आए युवा प्रतिनिधियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया और नशामुक्ति की शपथ दिलाई।

श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित ‘वंदे मातरम्’ ने लोगों में राष्ट्रीय स्वाभिमान और देशभक्ति की भावना जगाई। भारतीय ज्ञान परंपरा में विश्व कल्याण का मार्ग निहित है। ‘वसुधैव कुटुंबकम्’ का

सिद्धांत पूरी दुनिया को एक परिवार मानने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा व्यवस्था में शामिल करने का अवसर प्रदान करती है। युवाओं को अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का उपयोग राष्ट्रहित में करना चाहिए। भाषा विभाजन नहीं, बल्कि लोगों को जोड़ने का माध्यम है। कार्यक्रम में सांसद अलोक शर्मा, दर्शन सिंह चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी और युवा प्रतिभागी उपस्थित थे।

बादलों से बढ़ा रात का तापमान, इंदौर, उज्जैन में हो सकती है वर्षा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: अरब सागर से मिल रही नमी के कारण प्रदेश के अधिकतर जिलों में आंशिक बादल बने हुए हैं। कहीं-कहीं वर्षा भी हो रही है।

इसी क्रम में पिछले 24 घंटों के दौरान रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल एवं जबलपुर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा दर्ज की गई। उधर बादल बने रहने के कारण रात का तापमान भी बढ़ा हुआ है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक सोमवार को भी बादल बने रह सकते हैं। उज्जैन-इंदौर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा भी हो सकती है। मौसम विज्ञान केन्द्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में दक्षिण-पश्चिम अरब सागर में एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। सोमवार को इसके और शक्तिशाली होने की संभावना है। एक पश्चिमी विक्षोभ हिमाचल प्रदेश और उससे लगे पंजाब पर हवा के उपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना है। इसके साथ एक द्रोणिका भी संबद्ध है। दक्षिणी राजस्थान पर भी एक चक्रवात मौजूद है। उससे लेकर उत्तर-पूर्वी अरब सागर तक एक द्रोणिका भी बनी हुई है। वरिष्ठ मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि अरब से लगातार नमी मिलने के कारण बादल बने हुए हैं। साथ ही तापमान बढ़ा हुआ रहने के कारण गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की स्थिति बन रही है। इसी क्रम में सोमवार को भी आंशिक बने रहने और इंदौर, उज्जैन संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा होने की संभावना है।



- दोस्त की कमी खल रही है...
एक माननीय को पिछला विधानसभा चुनाव हारने के बाद मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिल पाया था। अब ढाई साल बाद उन्हें मंत्रिमंडल में कमी खल रही है। लोग इसके मायने निकाल रहे हैं।
- धोखा हुआ या जानबूझकर...
पिछले दिनों भाजपा के एक कार्यक्रम में विपक्षी पार्टी के एक माननीय की पूरे आयोजन के दौरान उपस्थिति चर्चा का विषय बनी हुई है। विपक्ष का यह मजबूत गढ़ ऐसा लगता है कि ढहने की कगार पर है, क्योंकि उस आयोजन में शामिल होने की जो वजह बताई गई, वह बहुतांश को हजम नहीं हो रही।
- मंच पर जगह और हंगामा...
पिछले दिनों सत्ताधारी दल के देशभर में आयोजित कार्यक्रम में एक बड़े माननीय को मंच पर जगह नहीं मिलने पर आयोजन के दौरान ही जमकर हंगामा हुआ। लंबे समय से सत्ता में होने के कारण नेता ज्यादा हो गए हैं, कार्यकर्ता कम।
- सेठजी तो ठीक, पूर्व के मायने...
एक कार्यक्रम में बड़ा मंच, बड़ा आयोजन और मुखिया की उपस्थिति थी, लेकिन ऐसा लगता है कि मुखियाजी हास-परिहास के मूड में थे। यही कारण है कि उन्होंने सरकार के महत्वपूर्ण जिम्मेदार को सेठजी और वर्तमान माननीय को पूर्व कह दिया। लेकिन संबंधित न हंस पा रहे थे, न आश्चर्य जता पा रहे थे।
- अति उत्साह पड़ा भारी...
देशभर में पिछले एक महीने से भारी यात्राएं आयोजन और जनकल्याण के कार्य जनता की भागीदारी से संपन्न किए गए। लेकिन एक बड़े शहर में एक बड़े आयोजन के दौरान माननीय की जान पर बन आई। कारण क्या था, यह तो जांच का विषय है, परंतु कार्यकर्ताओं के बीच इसे अति उत्साह ही कहा जा रहा है।
- बारात किसी की, खर्चा किसी का...
पिछले दिनों राजधानी से लगे हुए एक जिले में पूर्व मुखिया, जो वर्तमान में केंद्र में हैं, ने एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया। यहां मुख्यमंत्रीजी की तरह ही मंच, एलईडी और बड़ा वाटरप्रूफ डोम बनाया गया। एसी और लाइट सहित इस बड़े आयोजन में दूल्हा आए, संबोधित किया और चले गए, लेकिन लगभग 15 लाख रुपये का बिल अब कौन भरेगा? ठेकेदार और आयोजन के लिए ड्यूटी पर लगाए गए अधिकारियों पर भुगतान का पहाड़ टूटता नजर आ रहा है। देखना यह है कि आखिर भुगतान कौन करेगा।

मोरों के संरक्षण के लिए शुरू होगी नई परियोजना

नए, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में मोरों के संरक्षण और पुनर्वास के लिए नई परियोजना शुरू की जाएगी। बड़नगर में कवि प्रदीप सम्मान समारोह आयोजित होगा और फूड प्रोसेसिंग पार्क बनाया जाएगा। इससे स्थानीय किसानों और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री रविवार को मां चामुंडा धाम गजनीखेड़ी में 22.34 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि भाट पचलाना और इंगोरिया में नए सांदीपनि विद्यालय खोले जाएंगे। उज्जैन और अगर में आलू प्रसंस्करण की नई इकाइयां शुरू हो रही हैं, जो प्रदेश के 35 जिलों के किसानों से आलू खरीदेंगी। इससे किसानों को उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत गजनीखेड़ी में धर्मशाला, सामुदायिक भवन, पेयजल व्यवस्था, सड़क और अन्य निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया। स्वास्थ्य केंद्रों के भवन, बड़नगर सिविल अस्पताल के उन्नयन, इंदौर स्टेडियम और स्विमिंग पूल के निर्माण कार्य भी शामिल हैं।

जयस के प्रदर्शन के दौरान हंगामा, महिला कार्यकर्ता ने पुलिसकर्मी को मारा थप्पड़

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: राजधानी भोपाल के अंबेडकर मैदान में जयस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के दौरान रविवार को हंगामा हो गया। थाना प्रभारी रतन सिंह परिहार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर जुटे कार्यकर्ता मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ रहे थे। पुलिस ने प्रकाश तरुण पुष्कर के सामने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने की कोशिश की, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। इसी दौरान जयस की एक महिला कार्यकर्ता ने पुलिस कांस्टेबल को थप्पड़ मार दिया। प्रदर्शन के दौरान महिला पुलिस अधिकारियों और अन्य पुलिसकर्मियों के साथ भी झूमाझटकी हुई।

जयस कार्यकर्ताओं ने 13 अक्टूबर को आदिवासी छात्रों के साथ कथित अभद्रता और गाली-गलौज के मामले में संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। कार्यकर्ताओं का कहना था कि केवल निलंबन पर्याप्त कार्रवाई नहीं है, क्योंकि अधिकारी कुछ समय बाद बहाल हो सकते हैं।



जयस कार्यकर्ताओं का कहना था कि केवल निलंबन पर्याप्त कार्रवाई नहीं है, क्योंकि अधिकारी कुछ समय बाद बहाल हो सकते हैं।

जांच के बाद कार्रवाई का आवासन

सहायक पुलिस आयुक्त शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि छात्रों के प्रदर्शन के दौरान एक अधिकारी ने अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया था। मामला संज्ञान में आने के बाद संबंधित

अधिकारी को निलंबित कर प्राथमिक जांच के आदेश दिए गए थे। उन्होंने कहा कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल प्राथमिकता प्रदर्शन समाप्त कराने और व्यवस्था सुचारु बनाए रखने की है।

टीआई पर टिप्पणी करने का आरोप

मामला मिसरोद थाना प्रभारी रतन सिंह परिहार से जुड़ा है। 13 अक्टूबर को आदिवासी छात्रों के

प्रदर्शन के दौरान ‘जय जोहार’ बोलने पर उन पर अभद्र टिप्पणी और गाली-गलौज करने के आरोप लगे थे। वीडियो सामने आने के बाद आदिवासी संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने कार्रवाई की मांग की थी। 14 अक्टूबर को टीआई को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए गए थे। जयस के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. होरालाल अलावा और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी संबंधित अधिकारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी।

महाकालपुरम् उज्जैन में महाकालपुरम् प्रकल्प का भूमिपूजन...

आदर्श विद्यालयों से संस्कारित होगी नई पीढ़ी : डॉ. यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आदर्श विद्यालयों से ही नई पीढ़ी संस्कारित होगी। शिक्षा के नए प्रकल्पों की शुरुआत इस दिशा में शुभ संकेत है। विद्यालयों में सभी विद्यार्थी समान रूप से शिक्षा ग्रहण करते हैं।

गुरु सांदीपनि की परंपरा का निर्वहन करते हुए उज्जैन से कृष्ण और सुदामा जैसी नई पीढ़ी तैयार होगी। मुख्यमंत्री रविवार को उज्जैन के जियापुरा में विद्या भारती की मानव बाल कल्याण समिति द्वारा



निर्मित किए जाने वाले बहुउद्देशीय महाकालपुरम् प्रकल्प के भूमिपूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाअष्टमी के दिन उज्जैन में शिक्षा के नए चरण की शुरुआत हो रही है।

यहां पहले से दो सरस्वती शिशु मंदिर मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल के अधीन संचालित हैं। नया प्रकल्प केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने पूर्व में स्वीकृत 75

लाख रुपये के अतिरिक्त 1.25 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। सांसद अनिल फिरोजिया ने कहा कि विद्या भारती बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ अच्छे आचरण, संस्कार और नैतिकता की शिक्षा देती है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय संगठन मंत्री अखिलेश मिश्रा, संत श्याम गिरि महाराज, महापौर मुकेश टटवाल, ओम जैन, रवि सोलंकी, जगदीश अग्रवाल और मानव बाल कल्याण समिति के पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।